पत्रिका
(17.02.2015)

गरीब को गिरवी रखने पड़े बर्तन, नर्सों पर रिश्वत लेने का आरोप

घूस के बाद भी बच्चे की मौत

सिरोंज @ पत्रिका
patrika.com/state

शासकीय अस्पताल में स्टॉफ की तानाशाही और लापरवाहियों का दौर थम नहीं पा रहा है। नए मामले में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि नर्सों ने उनकी बहू की डिलेवरी के लिए रिश्वत मांगी। उन्हें अपने घर के बर्तन गिरवी रखकर घूस देना पड़ी, फिर भी लापरवाही इतनी रही कि नवजात बच्चे की मौत हो गई।

पालीवाल कॉलोनी निवासी छोटेलाल अहिरवार ने बताया कि वे शनिवार की शाम छह बजे अपनी बहू सविताबाई को डिलेवरी के लिए शासकीय अस्पताल ले गए थे। वहां स्टॉफ नर्स ने उनसे डिलेवरी के लिए 600 रुपए मांगे। छोटेलाल ने अपनी गरीबी का वास्ता दिया तो नर्सों ने बहू को भोपाल ले जाने को कह दिया। छोटेलाल का कहना है कि उसने घर के बर्तनों को पड़ोसी के पास गिरवी रखकर नर्स को घूस दी, तब बहू को प्रसव कक्ष में ले जाया गया और डिलेवरी हुई, लेकिन स्टाफ की लापरवाही के चलते कुछ देर बाद ही नवजात शिशु की मौत हो गई। छोटेलाल ने इस मामले की शिकायत

होगी कार्रवाईः तहसीलदार मनीष शर्मा से करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। तहसीलदार मनीष शर्मा ने बताया कि लापरवाही से नवजात शिशु की मौत होने, घूसखोरी और डॉक्टर द्वारा दलितों के अपमान की शिकायत आई थी। दोषियों पर कार्रवाई होगी।